चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 31.1.2019 पृष्ठ सं. 15 कॉलम 2-7

एचएयू और जीजेयू देगी स्टार्टअप को बढ़ावा

एचएयू में एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर का 2 को होगा शुभारंभ जीजेयू में कांफ्रेंसिंग से पीएम मोदी 3 को रखेंगे इनक्यूबेशन सेंटर की आधारशिला

जागरण संवाददाता, हिसार : युवाओं में स्टार्टअप को बढ़ावा देने और युवाओं के नए आइडिया को प्रमोट करने के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने काम शुरू कर दिया है। एचएयू में जहां अपने एक पुराने भवन को रेनोवेट करके इनक्यूबेशन सेंटर में तब्दील कर दिया है और नए भवन को बनाने के लिए टेंडर जारी कर दिया है। यहां विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर इस इनक्यूबेशन सेंटर का शुभारंभ हो जाएगा।

वहीं, गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय को भी इनक्यूबेशन सेंटर के लिए फंड मिल गया है। 3 फरवरी को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरीए इस इंक्यूबेशन सेंटर की आधाशिला रखेंगे। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल और शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा भी मौजूद रहेंगे। दोनों जगहों पर बन रहे इन इनक्यूबेशन सेंटर से युवाओं में अपना व्यवसाय शुरू करने और नए आइडिया पर काम करने को प्रोत्साहन मिलेगा।

जीजेयू का मुख्य गेट।

एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर। • जागरण

इनक्यूबेशन सेंटर से ये होंगे फायदे

- इंक्यूबेसन सेंटर विश्वविद्यालय में उपलब्ध प्रौद्योगिकियों का व्यवसायीकरण करेगा।
- उद्यमियों को अपनी यूनिट स्थापित करने में मदद करेगा।
- नौकरियों का सृजन करने एवं छोटे और मझौले उद्यमियों को धन अर्जित करने के लिए कौशल विकसित करने में मदद करेगा।
- सेंटर द्वारा नवाचारों तथा उद्यमियों के एग्री मॉडल्ज के परीक्षण और उन्हें उच्च स्तर पर ले जाने में आ रही बाधाओं का निवारण करेगा।
- सेंटर द्वारा क्षमता निर्माण, ज्ञान प्रसार, व्यवसाय विकास, विपणन आदि के संदर्भ में निरंतर पकड़ बनाई जाएगी।
- प्रदेश में स्टार्ट-अप कल्चर को प्रोत्साहन दिया जाएगा।
- स्टार्ट-अप कंपनियों के बिजनेस की स्थापना के लिए मार्गदर्शन किया जाएगा।
- कार्य की सफलता और स्थिरता के लिए परामर्श, प्रशिक्षण, व्यवसाय सलाहकार सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

> यह सेंटर विद्यार्थियों को उद्यमिता के लिए न केवल प्रेरित करेगा बल्कि उन्हें आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध करवाएगा। सेंटर में नए आइडियाज को प्रोमोट किया जाएगा। इसके लिए विशेषज्ञ विद्यार्थियों व स्टार्ट अप करने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करेंगे। विद्यार्थियों को वित्तीय मदद भी दी जाएगी। इससे स्टार्ट-अप कल्चर को प्रोत्साहन मिलेगा।
>
> – प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, गुजवि।

> देश की कुल जीडीपी में कृषि की हिस्सेदारी कम होती जा रही है और भूमि की जोत भी कम हुई है। इनके चलते कृषि के समक्ष कई चुनौतियां हैं। तकनीक व नए उपकरणों से खाद्य उत्पादन में बढ़ोतरी जरूर हुई है, लेकिन छोटे व सीमांत किसानों को इसका उतना लाभ नहीं हुआ है। इनसे निपटने के लिए कृषि विद्यार्थियों को उद्यम की राह चुनकर एंटरप्रेन्योर के स्थान पर एग्रीप्रेन्योर बनना होगा, ताकि देश की दिशा व दशा बदली जा सके।
>
> – प्रो. केपी सिंह, कुलपति, एचएयू।

सेंटर के लिए गुजवि को मिले 15 करोड़ रुपये

जीजेयू में पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनक्युबेशन सेंटर स्थापित होगा। शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कंवेशन सेंटर श्रीनगर से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन फरवरी को विश्वविद्यालय के इस इक्यूबेशन सेंटर की आधारशिला रखेंगे। इस डिजीटल लांच के अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी मौजूद रहेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इनक्युबेशन सेंटर की स्थापना राष्ट्रीय उच्चत्तर शिक्षा अभियान से प्राप्त हुए 15 करोड़ रूपये के अनुदान से की जाएगी। विश्वविद्यालय के लिए राष्ट्रीय उच्चत्तर शिक्षा अभियान के तहत कुल 50 करोड़ रूपये का अनुदान स्वीकृत हुआ है। गुजवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के अनुसार हरियाणा सरकार पूरे हरियाणा में इनक्युबेशन नेटवर्क स्थापित कर रही है।

एचएयू को नाबार्ड ने दिया 1174.85 लाख का अनुदानः एचएयू में कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्ट-अप के लिए युवाओं व उद्यमियों को मार्गदर्शन, प्रौद्योगिकी और आधारभूत संरचना प्रदान करने के लिए एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित किया है। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना कृषि में नवाचारों, कौशल निर्माण और कृषि एवं संबंधित विषयों में उद्यमियता विकास को ध्यान में रखते हुए नाबार्ड के सहयोग से की गई है। इस सेंटर के लिए नाबार्ड ने विश्वविद्यालय को 1174.85 लाख रुपये का अनुदान दिया है। यह सेंटर उद्यमियोंसे संबंध विकसित करेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पँजाब केसरी

दिनांक 31.1.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 1

हकृवि में नवस्थापित एग्री बिजनैस इन्क्यूबेशन सैंटर 2 को होगा आरंभ

हिसार, 30 जनवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि वि.वि. ने कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्ट-अप के लिए युवाओं व उद्यमियों को मार्गदर्शन, प्रौद्योगिकी और आधारभूत संरचना प्रदान करने के लिए एग्री बिजनैस इन्क्यूबेशन सैंटर (ए.बी.आई.सी.) स्थापित किया है। इस सैंटर का शुभारंभ 2 फरवरी को वि.वि. के 50वें स्थापना दिवस पर होगा। कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने बताया कि वि.वि. में एग्री बिजनैस इन्क्यूबेशन सैंटर की स्थापना कृषि में नवाचारों, कौशल निर्माण और कृषि एवं सम्बद्ध विषयों में उद्यमियता विकास को ध्यान में रखते हुए नाबार्ड के सहयोग से की गई है। इस सैंटर के लिए नाबार्ड ने वि.वि. को 1174.85 लाख रुपए का अनुदान प्रदान किया है। यह सैंटर उद्यमियों/उद्योगों से संबंध विकसित करेगा और उत्पाद प्रसंस्करण एवं उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार हेतु अनुसंधान एवं विकास के लिए मंच प्रदान करने के साथ बुनियादी सुविधाएं और तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम अमर उजाला, हरि भूमि

दिनांक 31.1.2019 पृष्ठ सं. 6, 1 कॉलम 1-2, 3

नवस्थापित एबीआईसी सेंटर होगा आरंभ

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्ट-अप के लिए युवाओं व उद्यमियों को मार्गदर्शन, प्रौद्योगिकी और आधारभूत संरचना प्रदान करने के लिए एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबीआईसी) स्थापित किया है। इस सेंटर का शुभारंभ दो फरवरी को विश्वविद्यालय के 50वें स्थापना दिवस पर होगा। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कृषि में गुणवत्ता वृद्धि हेतु आवश्यक कौशल की कमी के कारण जो लोग इस क्षेत्र से हटना चाहते हैं उनके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय में एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना कृषि में नवाचारों, कौशल निर्माण और कृषि एवं संबद्ध विषयों में उद्यमियता विकास को ध्यान में रखते हुए नाबार्ड के सहयोग से की गई है।

एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन 2 फरवरी को

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्ट-अप के लिए युवाओं व उद्यमियों को मार्गदर्शन, प्रौद्योगिकी और आधारभूत संरचना प्रदान करने के लिए एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबीआईसी) स्थापित किया है। इस सेंटर का शुभारंभ 2 फरवरी को विश्वविद्यालय के 50वें स्थापना दिवस पर होगा। विश्वविद्यालय में एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना कृषि में नवाचारों, कौशल निर्माण और कृषि एवं सम्बद्ध विषयों में उद्यमियता विकास को ध्यान में रखते हुए नाबार्ड के सहयोग से की गई है। इस सेंटर के लिए नाबार्ड ने विश्वविद्यालय को 1174.85 लाख रुपये का अनुदान प्रदान किया है। यह सेंटर उद्यमियों/उद्योगों से संबंध विकसित करेगा और उत्पाद प्रसंस्करण एवं उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार के लिए अनुसंधान एवं विकास के लिए मंच प्रदान करने के साथ बुनियादी सुविधाएं और तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करेगा। इनके अलावा कृषि और संबद्ध विषयों में व्यवसायीकरण और स्टार्ट-अप कंपनियों के बिजनेस की स्थापना के लिए मार्गदर्शन व कार्य की सफलता तथा स्थिरता के लिए परामर्श, प्रशिक्षण, व्यवसाय सलाहकार सेवाएं प्रदान करना केन्द्र का प्रमुख कार्य होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम नित्य शक्ति हाईवास
दिनांक 30.1.2019 पृष्ठ सं. 1 कॉलम 2-5

हकृवि में आरंभ होगा नवस्थापित एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि कृषि में गुणवत्ता वृद्धि के लिए आवश्यक कौशल की कमी के कारण जो लोग इस क्षेत्र से हटना चाहते हैं उनके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार सृजन एक बड़ी चुनौती है।

हिसार, 30 जनवरी (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्ट-अप के लिए युवाओं व उद्यमियों को मार्गदर्शन, प्रौद्योगिकी और आधारभूत संरचना प्रदान करने के लिए एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सैंटर (एबीआईसी) स्थापित किया है। इस सेंटर का शुभारंभ 2 फरवरी को विश्वविद्यालय के 50वें स्थापना दिवस पर होगा।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि कृषि में गुणवत्ता वृद्धि के लिए आवश्यक कौशल की कमी के कारण जो लोग इस क्षेत्र से हटना चाहते हैं उनके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार सृजन एक बड़ी चुनौती है। दूसरी तरफ बहुत से लोग नए कौशल एवं नई प्रौद्योगिकी का ज्ञान प्राप्त कर इस क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं। इन युवाओं को कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में आत्मविश्वास और कुशल उद्यमियों के रूप में उभारने, प्रोत्साहित करने और सहयोग देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय में एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सैंटर की स्थापना कृषि में नवाचारों, कौशल निर्माण और कृषि एवं सम्बद्ध विषयों में उद्यमियता विकास को ध्यान में रखते हुए नाबार्ड के सहयोग से की गई है। इस सैंटर के लिए नाबार्ड ने विश्वविद्यालय को 1174.85 लाख रुपये का अनुदान प्रदान किया है। यह सैंटर उद्यमियों/उद्योगों से संबंध विकसित करेगा और उत्पाद प्रसंस्करण एवं उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार हेतु अनुसंधान एवं विकास के लिए मंच प्रदान करने के साथ बुनियादी सुविधाएं और तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करेगा। इनके अलावा कृषि और संबद्ध विषयों में व्यावसायीकरण और स्टार्ट-अप कंपनियों के बिजनेस की स्थापना के लिए मार्गदर्शन करना व कार्य की सफलता और स्थिरता के लिए परामर्श, प्रशिक्षण, व्यवसाय सलाहकार सेवाएं प्रदान करना इस केन्द्र का प्रमुख कार्य होगा।

कुलपति ने बताया कि यह सैंटर उपलब्ध प्रौद्योगिकियों का भी व्यावसायीकरण करेगा और उद्यमियों को अपनी यूनिट स्थापित करने, नौकरियों का सृजन करने एवं छोटे और मझौले उद्यमियों को धन अर्जित करने के लिए कौशल विकसित करने में मदद करेगा। इस सैंटर की सहायता से राज्य के कई उभरते उद्यमियों को फायदा होगा और रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। इससे स्टार्ट-अप कल्चर को प्रोत्साहन मिलेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम सिटी पल्स
दिनांक 30.1.2017 पृष्ठ सं. 1 कॉलम 1-2

एचएयू एबीआईसी का उद्घाटन 2 को

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्ट-अप के लिए युवाओं व उद्यमियों को मार्गदर्शन, प्रौद्योगिकी और आधारभूत संरचना प्रदान करने के लिए एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सैंटर (एबीआईसी) स्थापित किया है। इस सैंटर का शुभारंभ 2 फरवरी को विश्वविद्यालय के 50वें स्थापना दिवस पर होगा। कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कृषि में गुणवत्ता वृद्धि हेतु आवश्यक कौशल की कमी के कारण जो लोग इस क्षेत्र से हटना चाहते हैं उनके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार सृजन एक बड़ी चुनौती है। दूसरी तरफ बहुत से लोग नए कौशल एवं नई प्रौद्योगिकी का ज्ञान प्राप्त कर इस क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं। इन युवाओं को कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में आत्मविश्वास और कुशल उद्यमियों के रूप में उभारने, प्रोत्साहित करने और सहयोग देने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा विश्वविद्यालय में एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सैंटर की स्थापना कृषि में नवाचारों, कौशल निर्माण और कृषि एवं सम्बद्ध विषयों में उद्यमियता विकास को ध्यान में रखते हुए नाबार्ड के सहयोग से की गई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 31.1.2019 पृष्ठ सं. 15 कॉलम 8

एचएयू की ममता फौगाट को मिला बेस्ट थीसिस अवॉर्ड

ममता फौगाट।

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग में पीएचडी की छात्रा ममता फौगाट को मृदा विज्ञान के क्षेत्र में एमएससी में उनके उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए बेस्ट थीसिस अवार्ड प्रदान किया गया है। पोस्ट ग्रेज्युएट स्टडीज की डीन डा. आशा क्वात्रा ने बताया कि सोसाइटी फॉर साइंटिफिक डिवेल्पमेंट इन एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी मेरठ (उत्तर प्रदेश) द्वारा राजस्थान एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट, दुर्गापुर (जयपुर) में ग्लोबल रिसर्च इनिशिएटिवस फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एप्लाइड साइंसिज विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। जिसमें ममता फौगाट को यह सम्मान दिया गया। ममता फौगाट को पोस्टर प्रस्तुतिकरण में भी प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम हरि भूमि

दिनांक 31.1.2019 पृष्ठ सं. 15 कॉलम 1

ममता फोगाट को बेस्ट थीसिस अवार्ड

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग में पीएच.डी. की छात्रा ममता फोगाट को मृदा विज्ञान के क्षेत्र में एमएससी. में उनके उत्कृष्ट

शोध कार्य के लिए 'बेस्ट थीसिस अवार्ड' प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय की डीन, पोस्ट ग्रेयुएट स्टडीज, डॉ. आशा क्वात्रा ने बताया कि सोसाइटी फॉर साइंटिफिक डिवेल्पमैंट इन एग्रीकल्चर एंड टैक्नोलॉजी, मेरठ (उत्तर प्रदेश) द्वारा राजस्थान एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट, दुर्गापुर (जयपुर) में ग्लोबल रिसर्च इनिशिएटिवस फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एप्लाइड साइंसिज विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ममता को यह सम्मान दिया गया। इसी सम्मेलन में ममता फोगाट को पोस्टर प्रस्तुतिकरण में भी प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. केएस ग्रेवाल और मृदा विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. आरएस मलिक ने ममता फौगाट को एक परिश्रमी और मेधावी छात्रा बताते हुए इस उपलब्धि की प्रशंसा की। उल्लेखनीय है कि ममता फौगाट डॉ. रीटा दहिया के मार्गदर्शन में पीएच.डी. कर रही है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम अमर उजाला, पंजाब केसरी

दिनांक 31.1.2019 पृष्ठ सं. 6, 4 कॉलम 1-2/1

ममता बेस्ट थीसिस अवॉर्ड से सम्मानित

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग में पीएचडी की छात्रा ममता फोगाट को मृदा विज्ञान के क्षेत्र में एमएससी में उनके उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए बेस्ट थीसिस अवार्ड प्रदान किया गया है। ये जानकारी विश्वविद्यालय की डीन पोस्ट ग्रेजुएट स्टडीज डॉ. आशा क्वात्रा ने दी। उन्होंने बताया कि ये अवॉर्ड ग्लोबल रिसर्च इनिशिएटिवस फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एप्लाइड साइंसेज विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया गया। ये सम्मेलन सोसाइटी फॉर साइंटिफिक डेवलपमेंट इन एग्रीकल्चर एंड टेक्नालॉजी मेरठ (उत्तर प्रदेश) की ओर से राजस्थान एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट दुर्गापुर (जयपुर) में आयोजित किया गया था।

छात्रा ममता फौगाट को मिला 'बैस्ट थीसिस अवार्ड'

हिसार, 30 जनवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग में पीएच.डी. की छात्रा ममता फौगाट को मृदा विज्ञान के क्षेत्र में एम.एससी. में उनके उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए 'बैस्ट थीसिस अवार्ड' प्रदान किया गया है। वि.वि. की डीन, पोस्ट ग्रैजुएट स्टडीज, डा. आशा क्वात्रा ने बताया कि सोसायटी फॉर साइंटिफिक डिवैल्पमैंट इन एग्रीकल्चर एंड टैक्नोलॉजी, मेरठ (उत्तर प्रदेश) द्वारा राजस्थान एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीच्यूट, दुर्गापुर (जयपुर) में ग्लोबल रिसर्च इनिशिएटिवस फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एप्लाइड साइंसिज विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ममता फौगाट को यह सम्मान दिया गया। उन्होंने बताया कि इसी सम्मेलन में ममता फौगाट को पोस्टर प्रस्तुतिकरण में भी प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।